

हरीश चौधरी ने गहलोत की भारी किरकरी की बाड़मेर की जयहिंद रैली में

हरीश चौधरी ने सार्वजनिक रूप से गहलोत के मेवाराम जैन व अमीन खां को पार्टी में वापस लेने के प्रयास पर तेज आवाज़ में भारी विरोध जताया

-रेणू मिश्रल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 27 मई। कांग्रेस पार्टी के भीतर अशोक गहलोत द्वारा दो निर्लिबित नेताओं को पार्टी में वापस लाने की कोशिश करने से भीषण अंदरूनी कलह छिड़ गई है। ये दोनों नेता पूर्व मुख्यमंत्री के करीबी माने जाते हैं।
हरीश चौधरी ने गहलोत की इस कोशिश का सार्वजनिक रूप से भारी विरोध किया है और दोनों नेताओं के बीच सार्वजनिक रुप से तीखी बहस भी हुई है।
रणदीप सिंह सुरजेवाला जैसे नेता, जो पहले गहलोत की हर बात से सहमत होते थे, उन्होंने भी अब इस मामले से खुद को अलग कर लिया है और स्पष्ट रूप से कहा कि उन्होंने इन निर्लिबित नेताओं को न तो बुलाया है और न ही वे उनसे मिलेंगे।

जय हिंद रैली, जो कल बाड़मेर में हुई, उसमें हरीश चौधरी ने मंच से इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि प्रदेश प्रभारी सुवर्जिंदर सिंह रंधावा ने कुछ लोगों को अनुशासनहीनता के लिए पार्टी से निकाला था, लेकिन कुछ लोग उन्हें समर्थन दे रहे हैं। उनका संकेत स्पष्ट रूप से अशोक गहलोत की ओर था, जिन्होंने मंच से खान की सराहना की थी।

एयरपोर्ट पर मामला और बिगड़ गया। हरीश चौधरी ने गहलोत का सामना करते हुए कहा - “अगर आपको इन दोनों नेताओं से इतना ही प्रेम है, तो इन्हें अपने

- हरीश चौधरी ने गहलोत से कहा कि अगर ये दोनों राजनीतिज्ञ आपको बहुत प्रिय हैं, तो आप इन दोनों को अपने घर ले जाएं और अपने साथ रखें। मैं, पश्चिम राजस्थान को झालावाड़ और पाली नहीं बनने दूंगा। आपकी ओछी राजनीति के कारण पश्चिमी राजस्थान में कांग्रेस की यह स्थिति हुई है। आप इन दोनों के साथ बैठना चाहें तो बैठें, पर, मैं नहीं बैठूंगा।
- जैसा कि विदित ही है, मेवाराम जैन, उनकी सीडी सार्वजनिक होने के बाद और अमीन खां गहलोत के इशारे से कांग्रेस उम्मीदवार के खिलाफ चुनाव लड़े थे तथा कांग्रेस के उम्मीदवार चुनाव हारे थे।
- प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने दोनों को पार्टी से निष्कासित कर दिया था।
- गहलोत, जयहिंद रैली के मार्फत, मेवाराम व अमीन खां को मंच पर बैठाकर पार्टी में शामिल करवाने का प्रयास कर रहे थे।
- पर, हरीश चौधरी ने सार्वजनिक रूप से गहलोत की साजिश का विरोध कर, गहलोत का प्रयास विफल किया।
- रणदीप सिंह सुरजेवाला, हेमाराम चौधरी व डोटासरा ने भी गहलोत के इस प्रयास की निंदा की।
- सुरजेवाला ने दोनों के साथ मुलाकात करने से इन्कार कर दिया, यह कहकर कि मैंने इन दोनों को तो यहाँ बुलाया ही नहीं है।
- जब मेवाराम व अमीन खां को इतना रूखा व्यवहार मिला तो क्रोधित होकर अमीन खां ने कहा, “..... यह कांग्रेस पार्टी का अंत है।”

घर ले जाकर रखें।”

इस पर गुस्साए गहलोत बोले - “तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई मुझसे ऐसे बात करने की।”

हरीश चौधरी ने जवाब दिया - “पश्चिम में 12 में से 1 सांसद जीत गया तो आपको तकलीफ हो गई... झालावाड़ और पाली नहीं बनने दूंगा बाड़मेर को,”

जहां गहलोत की राजनीति और जोड़तोड़ की वजह से कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत पाई थी।
(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस ने गौरव गोगोई को आसाम कांग्रेस का मुखिया बनाया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 27 मई। कांग्रेस पार्टी ने जोरहाट से सांसद और लोकसभा में पार्टी के उप नेता गौरव गोगोई को असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (ए.पी.सी.सी.) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। गौरव गोगोई के पिता तरुण गोगोई सबसे लंबे समय तक असम के मुख्यमंत्री रहे थे।
उन्होंने भूपेन कुमार बोराह का स्थान लिया है, जो लगभग चार वर्षों तक असम कांग्रेस के अध्यक्ष रहे।
कांग्रेस के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने यह घोषणा करते हुए असम कांग्रेस के तीन नए कार्यकारी अध्यक्षों के नाम भी बताए, जाकिर हुसैन सिकंदर, रोजलीना तिकी, और प्रताप सरकार।

‘आतंकवाद के खिलाफ सिंगापुर भारत के साथ’

सिंगापुर, 27 मई। सिंगापुर ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के प्रति पुर्नजोर समर्थन व्यक्त किया है।
जनता दल यूनाइटेड के अध्यक्ष एवं सांसद संजय कुमार झा के नेतृत्व में सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने आज यहां सिंगापुर की विदेश एवं गृह

- **सिंगापुर गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ मुलाकात में सिंगापुर की विदेश एवं गृह राज्यमंत्री ने यह भी कहा कि सिंगापुर आतंकवाद के सभी कृत्यों की कड़ी निंदा करता है।**

राज्य मंत्री सिम एन से मुलाकात की।
सिंगापुर सरकार में वरिष्ठ राज्य मंत्री सिम एन ने कहा कि सिंगापुर आतंकवाद के सभी कृत्यों की कड़ी निंदा करता है और आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि सिंगापुर और भारत करीबी भागीदार हैं और द्विपक्षीय सहयोग को (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जस्टिस संजीव शर्मा के राजस्थान ट्रांसफर की सिफारिश

जयपुर, 27 मई। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट से जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा को उनके मूल राजस्थान हाईकोर्ट में तबादला करने की सिफारिश की है। वहीं, राजस्थान हाईकोर्ट से जस्टिस श्रीचन्द्रशेखर को बॉम्बे हाईकोर्ट व जस्टिस अरुण कुमार मोगा को दिल्ली की गई है।

- **जस्टिस संजीव शर्मा 2016 में राजस्थान में जज बने थे, फिर 2022 में उनका पटना हाई कोर्ट में ट्रांसफर हो गया था।**

हाईकोर्ट में ट्रांसफर करने की सिफारिश की गई है।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने देशभर के 21 हाईकोर्ट जजों को विभिन्न हाईकोर्ट में ट्रांसफर करने की सिफारिश की है। दरअसल राजस्थान हाईकोर्ट में (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान में एक दिन में करोना के नौ मामले सामने आये

जयपुर, 27 मई। कोरोना वायरस संक्रमण एक बार फिर रफ्तार पकड़ता नजर आ रहा है। मंगलवार को राज्य में 9 नए कोविड-19 संक्रमित मरीजों की पुष्टि हुई है। नए मामलों में से 2 एस जोधपुर, 2 एसएमएस मेडिकल कॉलेज जयपुर, 4 बी-लाल लैब जयपुर और 1 आणविक डायग्नोस्टिक सेंटर जयपुर से सामने आए हैं।
इन मरीजों में 35 वर्षीय महिला और 16 दिन का नवजात शिशु जोधपुर से संक्रमित पाए गए हैं। वहीं, जयपुर में 64 वर्षीय महिला, 34 वर्षीय महिला, 64 वर्षीय पुरुष, 53 वर्षीय पुरुष, 22

- **अब तक जयपुर में 13, जोधपुर में 6, उदयपुर में 4, डीडवाना में 3, अजमेर में 2, बीकानेर, फलोंदी, सर्वाई माधोपुर में एक-एक मामला सामने आया है।**

वर्षीय महिला, 41 वर्षीय पुरुष और 33 वर्षीय पुरुष की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, वर्ष 2025 में अब तक कुल 32 कोविड मरीज सामने आ चुके हैं, जिनमें से एक की मौत भी हो चुकी है। जिलेवार संक्रमण का आंकड़ा इस प्रकार है:

जयपुर 13, जोधपुर 6, उदयपुर 4, डीडवाना 3, अजमेर 2, बीकानेर 1, फलोंदी 1, सर्वाई माधोपुर 1 सहित, एक अन्य मामला शामिल है। हालांकि स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने अपील की है कि संक्रमण भले हो सीमित संख्या में हो, लेकिन सतर्कता बेहद जरूरी है। मास्क, हाथ धोने की आदत और भीड़-भाड़ से बचाव अब भी प्रासंगिक है।

‘तेज प्रताप के निष्कासन का ड्रामा लालू यादव ने आने वाले चुनाव की दृष्टि से रचा है’

लालू यादव की पुत्रवधु, तेज प्रताप की पत्नी ने प्रैस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर यह आरोप लगाया , लालू यादव के परिवार पर

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 27 मई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस महीने के अंत में बिहार दौरे पर जा रहे हैं, जो इस साल में उनकी तीसरी यात्रा होगी। इस समय राज्य में चुनावी सरगमियां चरम पर हैं। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के भीतर तेज राजनीतिक उथल-पुथल मची है। पार्टी सुप्रीमो लालू प्रसाद ने अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को छह साल के लिए पार्टी से ही नहीं, बल्कि परिवार से भी निष्कासित कर दिया है।
ऐसे समय में जबकि, वर्तमान मुख्यमंत्री और जनता दल (यूनाइटेड)

- **तेज प्रताप द्वारा वायरल किये गये वीडियो में तेज प्रताप ने यह स्पष्ट कहा था कि वे गत बारह साल से एक अनुष्का यादव के साथ “लिव इन” रिश्ते में हैं।**
- **लालू यादव का शायद मानना है कि बिहार चुनाव के पूर्व जब उनके परिवार पर भ्रष्टाचार के मामलों में जाँच चल रही है तो तेज प्रताप द्वारा यह वीडियो जारी करने से लालू यादव परिवार के लिये कई और दिक्कत खड़ी हो सकती हैं।**

के अध्यक्ष नीतीश कुमार की राजनीतिक पकड़ कमजोर पड़ती दिख रही है, तथा राज्य भाजपा भी नेतृत्व संकट से जूझ रही है। राजद के नेतृत्व वाला महागठबंधन इस साल के विधानसभा

संभावनाएं खराब कर सकती हैं इसलिए लालू प्रसाद ने अप्रत्याशित रूप से तेज प्रताप को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया। यह निर्णय एक “डैमेज कंट्रोल” के रूप में देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि तेज प्रताप के एक सोशल मीडिया पोस्ट ने लालू को नाराज कर दिया, जिसमें उन्होंने किसी अनुष्का यादव के साथ अपनी तस्वीरें शेयर की थीं और दावा किया था कि वे 12 साल से रिश्ते में हैं। यह पोस्ट अब हटा ली गई है। गौरतलब है कि तेज प्रताप की शायी पूर्व मुख्यमंत्री दरोगा प्रसाद राय की नातिन ऐश्वर्या से हुई थी, लेकिन वह शायी छह महीने भी नहीं चल सकी। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रथम प्र.मंत्री पं. नेहरू को श्रद्धांजलि अर्पित

नयी दिल्ली 27 मई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित उन्हें नमन किया और कहा कि उनके महान योगदान के बिना 21 वीं सदी के भारत की कल्पना नहीं की जा सकती है।

- **कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आधुनिक भारत के निर्माण में पं. नेहरू के योगदान को याद किया।**

खड़गे ने कहा नागरिकता, देश की सेवा में होती है-पंडित जवाहरलाल नेहरू भारत को शून्य से शिखर तक पहुँचाने वाले, आधुनिक भारत के निर्माता, लोकतंत्र के निर्भीक प्रहरी, भारत को वैज्ञानिक, आर्थिक, औद्योगिक एवं विभिन्न क्षेत्रों में विकासशील बनाने, (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मझोले उद्यमों पर भी पड़ा है, जिन्हें भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है।

मांग और आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और नीतिगत असंगतियों के कारण इन उद्यमों की आय घट रही है और निर्यात क्षेत्र सुस्त पड़ा है।

कभी भारतीय अर्थव्यवस्था की ताकत माने जाने वाले निर्यात क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों में काफी गिरावट आई है। उद्योग जगत के दिग्गजों ने मौजूदा शासन के तहत जटिल नियमों, बदलते व्यापार मानकों और वित्तीय प्रोत्साहनों की कमी को प्रमुख अड़चनें बताया है।
जैसे-जैसे आम चुनाव नजदीक आ रही हैं, संभावना है कि मुद्दे राजनीतिक विचार-विमर्श में प्रमुख भूमिका निभाने लगेंगे।

एफडीआई का सूखना, बढ़ती बेरोजगारी और छोटे व मझोले उद्योगों पर बढ़ता दबाव विपक्षी दलों के लिए मोदी सरकार को घेरने का एक बड़ा मुद्दा बनता जा रहा है।

में मोदी सरकार की विफलता आगामी चुनावों में प्रमुख मुद्दा होगी। यह भी जोड़ा कि बेरोजगारी और महंगाई को लेकर जनता का गुस्सा चरम पर है। पार्टी कई रैलियों और अभियानों का आयोजन करेगी ताकि इन मुद्दों को जनचर्चा का केन्द्र बनाया जा सके।
राजनीतिक विश्लेषकों का भी मानना है कि मोदी सरकार आर्थिक संकेतकों की बिगड़ती स्थिति से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। एक प्रमुख राजनीतिक टिप्पणीकार ने कहा, “स्थिति की गंभीरता से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन मुख्य मुद्दों से जनता का ध्यान हटाने के लिए सुनियोजित प्रयास किए जा रहे हैं।”
इस स्थिति का असर छोटे और

जैसे मुद्दों को लेकर कांग्रेस, इंडिया गठबंधन के सहयोगियों के साथ मिलकर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को आर्थिक कुप्रबंधन के लिए घेरने की रणनीति अपना रही है। कांग्रेस के एक वरिष्ठ रणनीतिकार ने कहा, “अर्थव्यवस्था की रक्षा करने

और बाजार में विश्वास से संबंधित गहरी समस्याओं को दर्शाती है।” उन्होंने चेतावनी दी कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों, विशेषकर अमेरिका में ट्रंप प्रशासन के तहत संरक्षणवादी नीतियों की वापसी के बाद से स्थिति और बिगड़ सकती है।
कांग्रेस पार्टी ने इस अवसर को लपक लिया और स्थिति को नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की “गंभीर विफलता” बताते हुए आर्थिक मोर्चे पर हमला तेज कर दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बढ़ती बेरोजगारी को लेकर गहरी चिंता जताई है और दावा किया है कि इसका देश भर में युवाओं, किसानों और महिलाओं पर विनाशकारी असर पड़ रहा है।

रणनीतिक दृष्टिकोण से कांग्रेस पार्टी ने आगामी राज्य चुनावों, विशेषकर बिहार, में आर्थिक संकट को अपने अभियान को केन्द्रीय मुद्दा बनाने के लिए एक विस्तृत योजना तैयार की है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, आर्थिक संकट के साथ-साथ जातीय जगनागना